>

Title : Need to check the rising prices of essential commodities.

श्री दत्ता मेघे (वर्धा): महोदय, मैं सरकार का ध्यान खाने पीने की जरूरी वस्तुओं जैसे दालें, चीनी, खाद्य तेलों और सब्जियों की आसमान छूती कीमतों की ओर दिलाना चाहता हूं। सीमित पैदावार और मानसून की वर्षा की कमी के कारण देश के कई राज्यों में सूखे की स्थिति पैदा हो गई है। स्थिति यह हो गई है कि अरहर और उड़द की दाल की कीमतें 80 से 90 रूपये किलो तक हो गई है। चीनी के दाम कुछ महीने पहले तक 18 से 20 रूपये किलो थे, लेकिन अब ये 30 रूपये किलो से भी ऊपर तक चले गये हैं। नागपुर के बाजार में हरे धनिये की कीमत 100 रूपये किलो तक पहुंच गई है। इसी प्रकार से दूसरी सब्जियों की कीमतें भी बहुत बढ़ गई हैं। खुली बोरी का आटा 15 रूपये किलो से कम में नहीं मिल रहा है।

मानसून की वर्षा कम होने के कारण कुछ वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोत्तरी हो सकती है, लेकिन प्रश्न यह है कि सरकार ने कीमतों को स्थिर रखने और आम आदमी की पहुंच के अंदर रखने के लिए अभी तक ठोस कदम नहीं उठाये हैं।

अतः मेरा निवेदन है कि रोजमर्रा की खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों को कम करने और आम आदमी की पहुंच तक लाने के लिए तुंत और अविलम्ब ठोस और प्रभावकारी कदम उठाये जाने चाहिए।